अध्याय–3 बंधुत्व जाति तथा वर्गः– आरंभिक समाज
अंक भार 6

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. महाभारत का समालोचनात्मक संस्करण तैयार करने की महत्वाकांक्षी परियोजना .... में आरंभ हुई ।

   (a) 1919 (b) 1920 (c) 1930 (d) 1922 (a)

2. समालोचनात्मक संस्करण हेतु महाभारत की विभिन्न लिपियों में लिखी गई ....पांडुलिपियों को एकत्रित किया गया।

   (a) तमिल (b) हिंदी (c) संस्कृत (d) पाली (c)

3. महाभारत की मूल भाषा .... है।

   (a) संस्कृत (b) हिंदी (c) तमिल (d) पाली (a)

4. किन शासको को उनके मातृनाम से जाना जाता था ? अथवा किस राजवंश में राजाओं के नाम से पूर्व मातृनाम

(माता का नाम) लिखा जाता था?

(a) गुप्त (b) मौर्य (c) सातवाहन (d) शक (c)

5. स्वयं को अनूठा ब्राह्मण और क्षत्रियों के दर्प का हनन करने वाला किस शासक ने बताया/ सातवाहन राजवंश का सबसे प्रसिद्ध शासक कौन था / किस शासक ने यह दावा किया कि उसने चारों वर्णों के बीच विवाह संबंध होने पर रोक लगाई/ किस शासक ने शक शासक रुद्रदमन के परिवार से विवाह संबंध स्थापित किया?

(a) गौतमी–पुत सिरी– सातकनि (b) वसिथि पुत– पुलूमावि (a)

(c) यज्ञ सिरी–सातकनी (d) बल – सिरी – सातकनी।

6. मनुस्मृति का संकलन किस भाषा में हुआ था –

(a) हिंदी (b) पाली (c) तमिल (d) संस्कृत (d)

7. धर्म सूत्र और धर्मशास्त्र विवाह के प्रकारों को अपनी स्वीकृति देते हैं –

(a) 5 (b) 6 (c) 8 (d) 10 (c)

8. आरंभिक संस्कृत परंपरा में महाभारत को किस श्रेणी में रखा जाता है?

(a) विज्ञान (b) इतिहास (c) भूगोल (d) गणित (b)

9. विशाल महाकाव्य महाभारत में वर्तमान में कितने श्लोक हैं ?

(a) एक लाख से अधिक (b) दस हजार से अधिक (a)

(c) पचास हजार से अधिक (d) दो लाख से अधिक।

10. वर्ण व्यवस्था को दैवीय व्यवस्था प्रमाणित करने के लिए किस वेद का उदाहरण दिया जाता था –

(a) ऋग्वेद (b) यजुर्वेद (c) सामवेद (d) अथर्ववेद (a)

11. साहित्य परंपरा में महाभारत के रचयिता कौन हैं –

(a) वेदव्यास (b) भाट सारथी (c) सूत (d) वाल्मीकि (a)

12. चांडलों के बारे में कौन सा कथन सत्य नहीं है–

(a) गांव से बाहर रहना (b) लोहे के आभूषण पहनना

(c) फेंके हुए बर्तन इस्तेमाल करना। (d) यज्ञ में भाग लेना (d)

13. कौरवों में ज्येष्ठ/गांधारी का ज्येष्ठ पुत्र कौन था ?

(a) दुर्योधन (b) अर्जुन (c) भीम (d) युधिष्ठिर (a)

14. मनुस्मृति में पुरुषों के लिए धन अर्जित करने के .... तरीकों का वर्णन है।

(a) 5 (b) 6 (c) 7 (d) 8 (c)

15. मनुस्मृति में स्त्रियों के लिए धन अर्जित करने के तरीकों का वर्णन है।

(a) 3 (b) 6 (c) 8 (d) 5 (b)

17. शास्त्रों के अनुसार केवल .... राजा हो सकते थे।

(a) क्षत्रिय (b) ब्राह्मण (c) शुद्र (d) वैश्य (a)

रिक्त स्थानों की पूर्ति करो।

1. महाभारत के समालोचनात्मक संस्करण को तैयार करने में .... का समय लगा।

उत्तर– 47 वर्ष।

2. संस्कृत ग्रंथों में................ शब्द का प्रयोग परिवार के लिए और............. का बांधवों के बड़े समूह के लिए होता है।

उत्तर–कुल, जाति।

3. पिता से पुत्र, फिर पौत्र, प्रपौत्र को संपत्ति .... व्यवस्था के तहत मिलती है।

उत्तर– पितृवंशिकता।

4. कौरव और पांडव .... वंश से संबंधित है।

उत्तर–कुरुवंश।

5. .... में वैवाहिक संबंध समूह के मध्य ही होते हैं।

उत्तर– अंतर्विवाह।

6. अधिकतर राजवंश लगभग (छठी शताब्दी ई. पू. से) .... प्रणाली का अनुसरण करते थे।

उत्तर– पितृवंशिकता।

7. .... शौर्य, युद्ध और वर्षा के एक प्रमुख देवता थे।

उत्तर– इंद्र।

8. धर्मसूत्रों और धर्मशास्त्रों में .... के लिए आदर्श जीविका से जुड़े कई नियम मिलते हैं।

उत्तर– चारों वर्णों।

9. आरंभिक अभिलेखों में से एक में प्रसिद्ध शक राजा............ द्वारा सुदर्शन सरोवर के जीर्णोद्धार का वर्णन मिलता है।

उत्तर– रुद्रदमन/रुद्रदामन।

10. पांचाल नरेश......................ने एक स्वयंवर का आयोजन किया ।

उत्तर– द्रुपद।

11. महाश्वेता देवी की लघु कथा का शीर्षक........................है।

उत्तर– कुंती औ निषादी।

12. शवों की अंत्येष्टि और मृत पशुओं को छूने वालों को .... कहा जाता है।

उत्तर– चांडाल।

13. ....में चांडलो के कर्तव्यों की सूची मिलती है।

उत्तर – मनुस्मृति ।

14. महाभारत की मुख्य कथा .... के बीच हुए युद्ध का चित्रण है।

उत्तर– दो परिवारों (कौरव और पांडव)।

15. गोत्र प्रणाली .... प्रचलन में आई।

उत्तर– 1000 ईसवी पूर्व के बाद

18. परिवार एक बड़े समूह का हिस्सा होते हैं, जिन्हें हम .... कहते हैं।

उत्तर–संबंधी

19. प्रत्येक गोत्र एक .... के नाम पर होता था।

उत्तर– वैदिक ऋषि।

20. सातवाहन शासक .... भारत पर शासन करते थे।

उत्तर– दक्षिण–पश्चिम।

21. आप जाति शब्द से परिचित होंगे जो एक .... वर्गीकरण को दर्शाता है।

उत्तर –सोपानात्मक सामाजिक ।

22. आख्यान में .... का संग्रह है।

उत्तर– कहानियों।

23. उपदेशात्मकता भाग में .... के मानदंडों का चित्रण है।

उत्तर– सामाजिक आचार–विचार।

24. महाभारत की मूल कथा के रचयिता.....................थे।

उत्तर– भाट सारथी।

25. महाभारत की मूल कथा के रचयिता भाट सारथी थे, जिन्हें .... कहा जाता था।

उत्तर– सूत।

26. .... में पुरातत्ववेता .... ने मेरठ जिले के .... नामक गांव में उत्खनन किया ।

उत्तर– 1951–52 ई., बी. बी. लाल, हस्तिनापुर।

27. जाति .... पर आधारित थी।

उत्तर– जन्म।

28. ....को शंका की दृष्टि से देखा जाता था। इन्हें असंस्कृत भाषी .... समझा जाता था।

उत्तर– यायावर पशुपालकों, मलेच्छ।

29. .... कुरु वंश के राजकुमारों को धनुर्विद्या की शिक्षा देने वाले गुरु थे।

उत्तर– द्रोणाचार्य।

30. द्रोणाचार्य के प्रिय शिष्य .... थे।

उत्तर– अर्जुन।

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न–

1. महाभारत के समालोचनात्मक संस्करण को तैयार करने का कार्य कब व किसके नेतृत्व में प्रारंभ हुआ ?

उत्तर– 1919 ईस्वी में, प्रसिद्ध संस्कृत विद्वान वी. एस. सुकथांकर के नेतृत्व में।

2. इतिहासकार महाभारत ग्रंथ की विषय वस्तु को किन दो मुख्य शीर्षकों के अंतर्गत रखते हैं?

उत्तर– इतिहासकार महाभारत ग्रंथ की विषय वस्तु को दो मुख्य शीर्षकों के अंतर्गत रखते हैं–

(i) आख्यान– इसमें कहानियों का संग्रह है।

(ii) उपदेशात्मक – इसमें सामाजिक आचार विचार के मानदंडों का चित्रण है।

3. महाभारत का सबसे महत्वपूर्ण उपदेशात्मक अंश कौन सा है?

उत्तर– महाभारत का सबसे महत्वपूर्ण उपदेशात्मक अंश भगवत गीता है, जहां कुरुक्षेत्र की युद्ध भूमि में श्रीकृष्ण अर्जुन को उपदेश देते हैं।

4. महाभारत की सबसे चुनौतीपूर्ण उपकथा कौन सी है ?

उत्तर– महाभारत की सबसे चुनौतीपूर्ण उपकथा द्रोपदी के पांडवों से विवाह की है।

5. लगभग पांचवीं शताब्दी ईस्वी में चीन से भारत आए किस बौद्ध भिक्षु का कहना था कि अस्पृश्यों को सड़क पर चलते हुए करताल बजाकर अपने होने की सूचना देनी पड़ती थी ?

उत्तर– फा–शिएन।

6. लगभग सातवीं शताब्दी ईस्वी में चीन से भारत आए किस चीनी यात्री ने कहा कि वधिक और सफाई करने वाले वालों को नगर से बाहर रहना पड़ता था ?

उत्तर– त्वैन–त्सांग ने ।

7. बहिर्विवाह पद्धति से आप क्या समझते हैं ?

उत्तर– अपने गोत्र से बाहर विवाह करने को बहिर्विवाह पद्धति कहते हैं।

8. मनुस्मृति का संकलन कब और किस भाषा में हुआ।

उत्तर– लगभग 200 ई. पूर्व से 200 ई. के मध्य, संस्कृत भाषा में।

9. सातवाहन राजाओं को उनके मातृनाम (माता के नाम से अद्‌भुत) से चिन्हित किया जाता था, तो क्या सातवाहन राजवंश में राज सिंहासन का उत्तराधिकार मातृवंशिक होता था?

उत्तर– नहीं, सातवाहन राजाओं में राजसिंहासन का उत्तराधिकार पितृवंशिक होता था।

10. स्त्रीधन को परिभाषित कीजिए ।

उत्तर– विवाह के समय मिले उपहार पर स्त्री का स्वामित्व माना जाता था, इसे स्त्रीधन की संज्ञा दी जाती थी।

11. लगभग पांचवीं शताब्दी ईस्वी के किस अभिलेख से रेशम बुनकरों की एक श्रेणी का वर्णन मिलता है ?

उत्तर– मंदसौर (मध्य प्रदेश) अभिलेख से।

12. दशपुर के नाम से किसे जाना जाता था?

उत्तर– मंदसौर को।

13. महाभारत का प्रथम पर्व/अध्याय कौन सा है?

उत्तर– महाभारत का प्रथम अध्याय आदि पर्वन है।

14. पुरुष सूक्त कहां से लिया गया है ?

उत्तर– पुरुष सूक्त ऋग्वेद की दसवें मंडल से लिया गया है।

15. मंदसौर अभिलेख के अनुसार मंदसौर (मध्यप्रदेश) आई रेशम बुनकरों की एक श्रेणी मूलतः कहां की निवासी थी ?

उत्तर– रेशम बुनकरों की एक श्रेणी मूलतः लाट (गुजरात) प्रदेश की निवासी थे और वहां से मंदसौर चले गए थे। मंदसौर को उसे समय दशपुर के नाम से जाना जाता था।

16. ब्राह्मण ऋग्वेद के पुरुष सूक्त को वर्ण व्यवस्था को दैवीय व्यवस्था बताने के लिए बहुधा/प्रायः क्यों प्रयोग करते थे ?

उत्तर– अपनी मान्यता को प्रमाणित करने के लिए ब्राह्मण बहुधा ऋग्वेद के पुरुष सूक्त को इसलिए प्रयोग करते थे क्योंकि यह सूक्त उनकी श्रेष्ठता को प्रमाणित करता था । पुरुष सूक्त के अनुसार ब्राह्मण की उत्पत्ति ब्रह्मा के मुख से हुई इसलिए वह अन्य तीन वर्णों से श्रेष्ठ हैं।

17. ब्राह्मणों द्वारा स्थापित दैवीय व्यवस्था में वर्ण कौन–कौन से थे?

उत्तर – (1) ब्राह्मण (2) क्षत्रिय (3) वैश्य (4) शूद्र ।

18. कुरुओं की राजधानी का नाम बताइए?

उत्तर– हस्तिनापुर।

19. पांडवों की पत्नी द्रोपदी किसकी पुत्री थी?

उत्तर– पांचाल नरेश द्रुपद की।

20. कौरव किसके पुत्र थे ?

उत्तर– कौरव धृतराष्ट्र और गांधारी के पुत्र थे।

21. पांडव किसके पुत्र थे ?

उत्तर– पांडव पांडू एवं कुंती, माद्री के पुत्र थे।

22. सातवाहन राजाओं से विवाह करने वाली रानियों के नाम किन गोत्रों से अद्भूत थ?

उत्तर – सातवाहन राजाओं से विवाह करने वाली रानियों के नाम का विश्लेषण करने पर पता चलता है कि उनके नाम गौतम और वशिष्ठ गोत्रों से अद्भूत थे जो उनके पिता के गोत्र थे।

23. कुरु जनपद के दो दलों, कौरव और पांडवों के बीच महाभारत का युद्ध क्यों हुआ ?

उत्तर– भूमि और सत्ता को लेकर ।

24. मज्झिमनिकाय किस भाषा में रचित है और किस धर्म से संबंधित है ?

उत्तर– पाली भाषा में रचित है और बौद्ध धर्म से संबंधित है।

25. किस बौद्ध ग्रंथ से राजा अवन्तिपुत्र और बुद्ध के अनुयाई कच्चन के बीच हुए संवाद का उल्लेख मिलता है?

उत्तर – बौद्ध ग्रंथ मज्झिमनिकाय से।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. बहिर्विवाह पद्धति और अंतर्विवाह पद्धति में अंतर स्पष्ट कीजिए? या बहिर्विवाह पद्धति, अंतर्विवाह पद्धति से किस प्रकार

भिन्न है?

उत्तर– अपने गोत्र से बाहर विवाह करने को बहिर्विवाह पद्धति कहते हैं, जबकि अंतर्विवाह पद्धति में वैवाहिक संबंध अपने ही गोत्र, कुल में स्थापित होते हैं।

2. बहिर्विवाह पद्धति की कोई दो विशेषताएं बताइये।

उत्तर– (1) इस विवाह पद्धति में वैवाहिक संबंध अपने गोत्र से बाहर स्थापित किए जाते हैं।

(2) इस विवाह पद्धति में कन्यादान अर्थात विवाह में कन्या की भेंट को पिता का महत्वपूर्ण धार्मिक कर्तव्य माना गया।

3. मनुस्मृति में उल्लेखित पहली और चौथी विवाह पद्धति को समझाइये।

उत्तर– पहली विवाह पद्धति/ब्रह्म विवाह– इसमें पिता वर को घर बुलाकर अपनी कन्या को सौंप देता था।

चौथी विवाह पद्धति/प्रजापत्य विवाह– इस विवाह के अन्तर्गत कन्या का पिता वर को कन्या प्रदान करते हुए यह आदेश देता था कि दोनों साथ–साथ मिलकर अपने कर्तव्यों का निर्वाह करें।

4. मनुस्मृति में उल्लेखित पाँचवी और छठीं विवाह पद्धति को समझाइये।

उत्तर– पाँचवी विवाह पद्धति /असुर विवाह– यह विक्रय विवाह था। इसमें कन्या का पिता वर से कन्या का मूल्य लेकर बेच देता था। छठीं विवाह पद्धति/गंधर्व विवाह– यह प्रेम विवाह था। इसमें स्त्री और पुरुष के बीच अपनी इच्छा से संयोग होता था।

5. धर्मसूत्र एवं धर्मशास्त्र विवाह के आठ प्रकारों को अपनी स्वीकृत्ति देते हैं। इनमें से कौन–से विवाह उत्तम तथा कौनसे विवाह निन्दित माने गए हैं?

उत्तर– धर्मसूत्र एवं धर्मशास्त्र विवाह के आठ प्रकारों को अपनी स्वीकृति देते हैं। विवाह के आठ प्रकारों में से प्रथम चार– ब्रह्म विवाह, दैव विवाह, आर्ष विवाह, प्रजापत्य विवाह उत्तम मानें जाते थे। अंतिम चार– असुर विवाह, राक्षस विवाह, गंधर्व विवाह, पैशाच विवाह को निन्दित माना गया।

6. गोत्र व्यवस्था को समझाइये।

उत्तरः– 1000 ई०पू० के लगभग गोत्र प्रणाली प्रचलन में आयी। इसमें लोगों को वैदिक ऋषियों के नाम पर अलग–अलग गोत्रों में बांटा गया।

गोत्र प्रणाली/गोत्रों के दो नियम महत्वपूर्ण थे–

(1) विवाह के पश्चात स्त्रियों को पिता के स्थान पर पति के गोत्र का माना जाता था।

(2) एक ही गोत्र के सदस्य आपस में विवाह संबंध नहीं रख सकते थे ।

7. क्या अधिकतर राजवंश पितृवंशिकता प्रणाली का अनुसरण करते थे? इस प्रणाली में क्या विभिन्नताएं थी ?

उत्तर– हाँ, अधिकतर राजवंश पितृवंशिकता प्रणाली का अनुसरण करते थे। हालांकि इस प्रथा में विभिन्नता थी कि कभी पुत्र के न होने पर एक भाई दूसरे का उतराधिकारी हो जाता था तो कभी बंधु–बांधव सिंहासन पर अपना अधिकार जमाते थे। कुछ विशेष परिस्थितियों में स्त्रियां, जैसे –प्रभावती गुप्त सत्ता का उपयोग करती थी।

8. गोत्र प्रणाली के दो नियमों का उल्लेख कीजिए–

उत्तर– (1) विवाह के पश्चात स्त्रियों को पिता के स्थान पर पति के गोत्र माना जाता था।

(2) एक ही गोत्र के सदस्य आपस में विवाह संबंध नहीं रख सकते थे।

9. क्या विवाह के समय गोत्र नियमों का पालन अनिवार्यतः होता था?

उत्तर–नहीं। उदाहरण– सातवाहन राजाओं ने गोत्र प्रणाली के नियमों का पालन नहीं किया। सातवाहन राजाओं को उनके मातृ मातृनाम से जाना जाता था। सातवाहन राजाओं की रानियों ने विवाह के बाद भी अपने पिता के गोत्र को कायम रखते हुए अपने पति कुल के गोत्र को ग्रहण नहीं किया। सातवाहन राजाओं की कुछ रानियां एक ही गोत्र से थी, यानि उनका अंतर्विवाह हुआ था।

10. महाभारत काल में वर्ण व्यवस्था के नियमों का पालन करवाने के लिए ब्राह्मणों ने कौनसी नीतियां/रणनीतियां अपनाई?

उत्तर– (1) वर्ण व्यवस्था को दैवीय व्यवस्था बताया।

(2) शासकों को अपने राज्य में वर्ण व्यवस्था के नियमों को लागू करवाने हेतु कहते।

(3) लोगों को उन्होंने विश्वास दिलाया कि उनकी प्रतिष्ठा जन्म पर आधारित है।

11. धर्मसूत्रों और धर्मशास्त्रों में चारों वर्णों के लिए आदर्श जीविका से जुड़े कई नियम मिलते हैं? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर– (1) ब्राह्मण–अध्ययन करना, वेदों की शिक्षा, यज्ञ करना व करवाना, दान– दक्षिणा लेना।

(2) क्षत्रिय–युद्ध करना, लोगों को सुरक्षा प्रदान करना, न्याय करना, वेद पढ़ना, यज्ञ करवाना, दान–दक्षिणा देना।

(3) वैश्य– वेद पढ़ना, यज्ञ करवाना, दान–दक्षिणा देना, कृषि, गौ–पालन, व्यापार करना।

(4) शुद्र–तीनों उच्च वर्णों की सेवा करना।

12. क्या आरंभिक राज्यों में शासक निश्चित रूप से क्षत्रिय ही होते थे?

अथवा

क्या आरंभिक राज्यों में राजत्व क्षत्रिय कुल में जन्म लेने पर ही निर्भर करता था?

उत्तरः–नहीं।

शास्त्रों के अनुसार केवल क्षत्रिय राजा हो सकते थे। किन्तु अनेक महत्वपूर्ण राजवंशों की उत्पति अन्य वर्णों से भी हुई थी। जैसे– मौर्य शासकों को ब्राह्मणीय शास्त्र निम्न कुल का मानते है। शुंग और कण्व शासक ब्राह्मण थे। मध्य एशिया से आये शक शासकों को ब्राह्मण मलेच्छ, बर्बर मानते थे। इन उदाहरणों को देखकर लगता है कि राजनीतिक सत्ता का उपयोग हर वह व्यक्ति कर सकता था, जो समर्थन और संसाधन जुटा सके।

13. वर्ण और जाति में कोई दो अंतर बताइए?

उत्तर–

वर्ण	जाति व्यवस्था
1. वर्षों की संख्या चार है।	जातियों की कोई निश्चित संख्या नहीं थी।
2. वर्ण व्यवस्था को दैवीय व्यवस्था माना गया।	जाति व्यवस्था जन्म पर आधारित थी।

14. मनुस्मृति में चाण्डालों के कौन–कौन से कर्तव्य बताये गए हैं?

उत्तर– (1) उन्हें गांव के बाहर रहना पड़ता था।

(2) रात्रि में गांव और नगरों में चल–फिर नहीं सकते थे।

(3) वे फेंके हुए बर्तनों का इस्तेमाल करते थे।

(4) मरे हुए लोगों के वस्त्र पहनते थे।

(5) लोहे के आभूषण पहनते थे।

(6) वधिक (जल्लाद) के रूप में कार्य करते थे।

16. चाण्डालों को वर्ण व्यवस्था वाले समाज में सबसे निम्न कोटि/निचली श्रेणी में क्यों रखा जाता था?

उत्तर– चाण्डालों को शवों की अंत्येष्टि करने तथा मृत पशुओं को छूने के कारण दूषित माना जाता था तथा उनके स्पर्श को भी अपवित्र माना जाता था। इस कारण उन्हे समाज की सबसे निचली श्रेणी में रखा जाता था।

17. मनुस्मृति में पुरुषों के लिए घन अर्जित करने के कितने तरीको का वर्णन है? उल्लेख कीजिए।

उत्तर– मनुस्मृति के अनुसार पुरुष सात तरीके से धन अर्जित कर सकता है–

विरासत, खोज, खरीद, विजित करके, निवेश, कार्य द्वारा, सज्जनों द्वारा दी भेंट आदि।

18. मनुस्मृति में स्त्रियों के लिए घन अर्जित करने के कितने तरीकों का वर्णन हैं? उल्लेख कीजिए।

उत्तरः– मनुस्मृति के अनुसार स्त्रियां छः तरीकों से धन अर्जित कर सकती हैं–

1.वैवाहिक अग्नि के सामने मिली भेंट

2. वधूगमन के समय मिली भेंट

3.स्नेह के प्रतीक के रूप में प्राप्त उपहार

4. भ्राता, माता–पिता द्वारा दिया गया उपहार

5. परवर्ती काल में मिली भेंट

6. अनुरागी पति से प्राप्त भेंट।

19. नए नगरों के उद्‌भव से सामाजिक जीवन किस प्रकार अधिक जटिल हुआ ?

उत्तर– नए नगरों के उद्‌भव से सामाजिक जीवन अधिक जटिल हुआ। नगरों में व्यापार–वाणिज्य व अन्य कारणों से लोगों का मेल–मिलाप हुआ, जिससे नये विचारों का आदान–प्रदान हुआ। संभवतः इस वजह से आरंभिक विश्वासों और व्यवहारों पर प्रश्नचिन्ह लगाए गए।

20. नए नगरों के उद्‌भव से सामाजिक जीवन में आई जटिलता का समाधान किस प्रकार किया गया?

उत्तर– सामाजिक जीवन की जटिलता से उत्पन्न चुनौती के जवाब में ब्राह्मणों ने समाज के लिए विस्तृत आचार संहिताएं तैयार कीं। ब्राह्मणों को इन आचार संहिताओं का पालन करना होता था। किन्तु बाकी समाज को भी इसका अनुसरण करना होता था। लगभग 500 ई. पू. से इन मापदंडों का संकलन धर्मसूत्र व धर्मशास्त्र नामक संस्कृत ग्रंथों में किया गया।

21. इतिहासकार किसी ग्रंथ का /साहित्यिक स्रोत का विश्लेषण करते समय अनेक पहलुओं पर विचार करते हैं। उन पहलुओं का उल्लेख कीजिए ?

उत्तर– (1) ग्रंथ की भाषा (2) ग्रंथ की विषयवस्तु (3) लेखक की जानकारी (4) ग्रंथ का रचनाकाल।

21. महाभारत कालीन स्त्रियों की विभिन्न समस्याएं थीं, उनका उल्लेख कीजिए?

उत्तर– (1) स्त्री को भोग की वस्तु समझा जाता था।

(2) स्त्रियां पैतृक सम्पति में हिस्सेदारी की मांग नहीं कर सकती थी।

(3) स्त्रियों की स्थिति पुरुषों से निम्न थी।

(4) पत्नी को पति की संपति के रूप में माना जाता था।

(5) स्त्रियों को सीमित अधिकार ही प्राप्त थे।

22. महाभारत की सबसे चुनौतीपूर्ण उपकथा द्रौपदी के बहुपति विवाह के संबंध में इतिहासकारों के विभिन्न मत है। किन्ही दो मतों का उल्लेख कीजिए।

उत्तर– (1) विशिष्ट शासक वर्ग में बहुपति प्रथा का प्रचलित होना।

(2) हिमालय क्षेत्र में आज भी बहुपति प्रथा का प्रचलन होना।

(3) युद्ध के समय स्त्रियों की कमी के कारण बहुपति प्रथा को अपनाया गया हो।

23. पितृवंशिकता एवं मातृवंशिकता में अंतर बताइए।

उत्तर– वह वंश परम्परा जो पिता के बाद पुत्र, फिर पौत्र, प्रपौत्र आदि से चलती है, उसे पितृवंशिकता कहते है। मातृवंशिकता का अर्थ है वह वंश परम्परा, जो माँ से जुडी होती हैं।

24. 600 ईसा पूर्व से 600 ईस्वी तक के मध्य आर्थिक और राजनीतिक जीवन में हुए अनेक परिवर्तनों ने समकालीन समाज पर क्या प्रभाव छोड़ा?

उत्तर– (1) वन क्षेत्रों में कृषि का विस्तार हुआ। जिससे वहां रहने वाले लोगों की जीवनशैली में परिवर्तन हुआ।

(2) शिल्प विशेषज्ञों के एक विशिष्ट समाजिक समूह का उदय हुआ।

(3) संपत्ति के असमान वितरण ने सामाजिक विषमताओं को अधिक प्रखर बनाया।